विनेश एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई

Page-04

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

रणबीर कपूर ने साझा किया अनुभव

Page-05

एसबीआई ने जताई 6.6% जीडीपी वृद्धि की उम्मीद

भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी मौद्रिक नीति समिति की बैठक से पहले भारतीय स्टेट बैंक की रिसर्च रिपोर्ट ने अर्थव्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण अनुमान पेश किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार जून में होने वाली एमपीसी बैठक में रेपो रेट में किसी बदलाव की संभावना कम है और केंद्रीय बैंक फिलहाल ब्याज दरों को यथावत रख सकता है।एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और घरेलू महंगाई के स्तर को देखते हुए आरबीआई सतर्क रुख अपनाएगा। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रह सकती है। हालांकि आगे के आर्थिक आंकड़ों और महंगाई की स्थिति के आधार पर भविष्य में नीतिगत बदलाव संभव हैं।रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि मुद्रा बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए आरबीआई 'ऑपरेशन ट्विस्ट' जैसे उपायों का इस्तेमाल कर सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि ब्याज दरों में स्थिरता से उद्योग और निवेश क्षेत्र को राहत मिलेगी तथा आर्थिक गतिविधियों को गति मिल सकती है।

चारधाम यात्रा पर पड़ा असर

झरने के उफान से थमा यमुनोत्री हाईवे

उत्तराखंड के देहरादून जिले के प्रसिद्ध पर्वतीय पर्यटन स्थल चकराता में लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया है। क्षेत्र में बारिश के बाद कई झरने उफान पर आ गए हैं, जिससे विकासनगर-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित हो गया। लखवाड़ बैंड और जूडो के बीच सड़क पर भारी मात्रा में पानी और मलबा आने से वाहनों की आवाजाही रोकनी पड़ी। इसका सीधा असर चारधाम यात्रा पर पड़ा और मार्ग पर तीर्थयात्रियों तथा अन्य यात्रियों के वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।स्थानीय प्रशासन और सड़क निर्माण एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। कई घंटों की मशक्कत के बाद जब झरने का बहाव कम हुआ और सड़क से मलबा हटाया गया, तब मार्ग को दोबारा यातायात के लिए खोला गया। मौसम विभाग ने भी राज्य के कई पर्वतीय जिलों में खराब मौसम की चेतावनी जारी की है।मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं मैदानी और पर्वतीय क्षेत्रों में तेज हवाओं और बिजली गिरने की आशंका को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन ने यात्रियों और स्थानीय लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है।

जनरल एन.एस. राजा सुब्रामनी बने देश के तीसरे सीडीएस

भारतीय सशस्त्र बलों को नया नेतृत्व मिल गया है। जनरल एन.एस. राजा सुब्रामनी ने देश के तीसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने जनरल अनिल चौहान का स्थान लिया है, जिन्होंने अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद पद से विदाई ली। पदभार ग्रहण करने के बाद साउथ ब्लॉक में उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।सीडीएस का पद संभालने के बाद जनरल सुब्रामनी ने अपने कार्यकाल की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका मुख्य फोकस 'जय' रहेगा। उन्होंने बताया कि 'जय' का अर्थ है जॉइंटनेस, आत्मनिर्भरता और नवाचार। उनका मानना है कि भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए तीनों सेनाओं—थल सेना, नौसेना और वायु सेना—के बीच बेहतर समन्वय और संयुक्त संचालन क्षमता विकसित करना बेहद आवश्यक है।जनरल सुब्रामनी ने कहा कि भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी तकनीक और उपकरणों को बढ़ावा देना समय की मांग है। उन्होंने रक्षा उत्पादन में नवाचार और आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर भी जोर दिया। उनके अनुसार, बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में सेना को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम और आधुनिक बनाना जरूरी है।

कुख्यात अपराधी आशीष उर्फ डॉन गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए हिमांशु भाऊ गैंग के सक्रिय सदस्य और कुख्यात अपराधी आशीष उर्फ डॉन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी कई आपराधिक मामलों में फरार चल रहा था और लंबे समय से उसकी तलाश की जा रही थी।गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाया। पुलिस टीम ने आरोपी को घेर लिया, जिसके बाद संक्षिप्त मुठभेड़ जैसी स्थिति बनी और उसे दबोच लिया गया। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से .32 बोर की अवैध सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और दो खाली कारतूस बरामद किए गए।अधिकारियों ने बताया कि आशीष पर कई गंभीर आरोप हैं और वह चार अलग-अलग मामलों में वांछित था। उसकी गिरफ्तारी को संगठित अपराध के खिलाफ पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है। अब उससे पूछताछ कर गैंग की अन्य गतिविधियों और सहयोगियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

मेसी के कार्यक्रम में तोड़फोड़ मामला

पूर्व खेल मंत्री अरूप बिस्वास पर एफआईआर दर्ज

पश्चिम बंगाल में फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी के इंडिया टूर कार्यक्रम से जुड़ा विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। साल्ट लेक स्थित युवा भारती क्रीड़ांगन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुई कथित अव्यवस्था और तोड़फोड़ के मामले में राज्य के पूर्व खेल मंत्री अरूप बिस्वास के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।कार्यक्रम के मुख्य आयोजक सतद्रु दत्ता ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम के दौरान टिकटों की कालाबाजारी, जबरन वसूली, धमकी और धोखाधड़ी जैसी गतिविधियां हुई थीं। उनकी शिकायत के आधार पर बिधाननगर साउथ थाने में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।पुलिस सूत्रों का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और पूर्व मंत्री को पूछताछ के लिए तलब किया जा सकता है। यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसमें एक बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन और राजनीतिक हस्तियों का नाम जुड़ा हुआ है। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि कार्यक्रम के दौरान कथित अनियमितताओं के लिए कौन जिम्मेदार था।

मोबाइल फ्लैश की रोशनी में लगे टांके

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले से सामने आए एक वीडियो ने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वायरल वीडियो में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुमेरपुर में एक घायल व्यक्ति का उपचार मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट की रोशनी में किया जाता दिखाई दे रहा है।वीडियो सामने आने के बाद लोगों ने अस्पताल में बिजली और बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर नाराजगी जताई है। विपक्षी दलों ने भी मामले को लेकर सरकार पर निशाना साधा है।स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो की सत्यता और परिस्थितियों की जांच की जा रही है। यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई गई तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

डीजल और एटीएफ के निर्यात शुल्क में बदलाव

केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात शुल्क में संशोधन करने का फैसला लिया है। नई दरें 1 जून से लागू होंगी। सरकार का कहना है कि यह कदम वैश्विक ऊर्जा बाजार की मौजूदा परिस्थितियों, कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों और देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। हालांकि इस बदलाव का आम उपभोक्ताओं के लिए घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर फिलहाल कोई सीधा असर नहीं पड़ेगा।ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार, सरकार समय-समय पर निर्यात शुल्क की समीक्षा करती रहती है ताकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का प्रभाव संतुलित किया जा सके। कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव और वैश्विक मांग के आधार पर निर्यात शुल्क तय किए जाते हैं। इससे सरकार को राजस्व प्रबंधन में मदद मिलती है और घरेलू बाजार में ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने में भी सहूलियत होती है।निर्यात शुल्क में बदलाव का सबसे अधिक असर तेल कंपनियों और निर्यातकों पर पड़ सकता है। नई दरें लागू होने के बाद कंपनियां अपने निर्यात और उत्पादन की रणनीति की समीक्षा करेंगी। उद्योग जगत का मानना है कि सरकार का यह कदम घरेलू ईंधन आपूर्ति को प्राथमिकता देने और ऊर्जा क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोल, डीजल और विमानन ईंधन की उपलब्धता पर लगातार नजर रखी जा रही है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों और भू-राजनीतिक परिस्थितियों की भी निगरानी की जा रही है। यदि भविष्य में बाजार की स्थिति में बड़ा बदलाव होता है तो आवश्यकतानुसार नीतिगत निर्णय लिए जा सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि निर्यात शुल्क में यह संशोधन ऊर्जा क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने, सरकारी राजस्व को सुरक्षित रखने और घरेलू उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से किया गया है। फिलहाल आम जनता के लिए राहत की बात यह है कि इस निर्णय के बावजूद पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई तत्काल वृद्धि होने की संभावना नहीं है।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1

प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2- 3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

नई तकनीक और युद्धक तैयारी पर फोकस, नौसेना प्रमुख बने कृष्णा स्वामीनाथन

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने भारत के 27वें नौसेना प्रमुख के रूप में पदभार संभाल लिया है। उन्होंने नौसेना की युद्धक तैयारी, आधुनिकीकरण और नई तकनीकों को प्राथमिकता देने की बात कही। पूर्व प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

भारतीय नौसेना को रविवार को नया नेतृत्व मिल गया। एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने देश के 27वें नौसेना प्रमुख के रूप में आधिकारिक तौर पर पदभार ग्रहण कर लिया। कमान संभालते ही उन्होंने स्पष्ट किया कि बदलते वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य में भारतीय नौसेना को हर परिस्थिति के लिए पूरी तरह तैयार रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों को तेजी से अपनाना और नौसेना की युद्धक क्षमता को और मजबूत बनाना उनके कार्यकाल का प्रमुख लक्ष्य रहेगा।पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत में एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा कि वह गर्व, जिम्मेदारी और आभार की भावना के साथ यह महत्वपूर्ण दायित्व संभाल रहे हैं। उन्होंने देश के शीर्ष नेतृत्व और सरकार का धन्यवाद करते हुए कहा कि भारतीय नौसेना देश के समुद्री हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए हर समय सतर्क और तैयार है।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा परिस्थितियां लगातार जटिल होती जा रही हैं। हिंद महासागर क्षेत्र सहित कई समुद्री इलाकों में रणनीतिक चुनौतियां बढ़ रही हैं। ऐसे माहौल में भारतीय नौसेना की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नौसेना को हर तरह की चुनौती से निपटने के लिए उच्चतम स्तर की तैयारी बनाए रखनी होगी। नए नौसेना प्रमुख ने कहा कि देश के आर्थिक और सामरिक हितों की सुरक्षा उनकी प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर रहेगी। उन्होंने कहा, "मेरा प्रमुख उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय नौसेना युद्ध और किसी भी ऑपरेशनल स्थिति के लिए हमेशा पूरी तरह तैयार रहे। नौसेना लगातार आधुनिकीकरण और क्षमता विस्तार की दिशा में आगे बढ़ रही है। मेरा प्रयास होगा कि इस गति को और तेज किया जाए तथा अत्याधुनिक तकनीकों और आधुनिक हथियार प्रणालियों को जल्द से जल्द नौसेना में शामिल किया जाए।"एडमिरल स्वामीनाथन ने स्वदेशी रक्षा उत्पादन और आत्मनिर्भरता को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए तकनीकी नवाचार और स्वदेशी रक्षा प्रणालियों का विकास भारतीय नौसेना को और अधिक सक्षम बनाएगा।अपने संबोधन में उन्होंने पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में नौसेना ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने पूरी नौसेना की ओर से एडमिरल त्रिपाठी का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके कार्यकाल ने संगठन को नई दिशा और मजबूती प्रदान की है। वहीं, पद छोड़ने के बाद एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने भारतीय नौसेना की उपलब्धियों पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि संकट के हर दौर में नौसेना ने अपनी क्षमता और प्रतिबद्धता साबित की है। उन्होंने पश्चिम एशिया में उत्पन्न चुनौतियों के दौरान चलाए गए 'ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा' का उल्लेख करते हुए कहा कि इस अभियान ने दिखाया कि भारतीय नौसेना देश के समुद्री और ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए किसी भी समय और किसी भी परिस्थिति में कार्रवाई करने में सक्षम है। एडमिरल त्रिपाठी ने विश्वास जताया कि एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन के नेतृत्व में भारतीय नौसेना नई ऊंचाइयों को हासिल करेगी और वैश्विक स्तर पर अपनी रणनीतिक भूमिका को और मजबूत बनाएगी। उनके नेतृत्व में नौसेना आधुनिक तकनीक, सामरिक तैयारी और परिचालन क्षमता के नए मानक स्थापित करेगी।

म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग पहुंचे बोधगया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने शनिवार को बिहार के गयाजी जिले में स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और बौद्ध तीर्थस्थल बोधगया के पवित्र महाबोधि मंदिर में प्रार्थना के साथ अपनी पांच दिवसीय भारत यात्रा की शुरुआत की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ह्लाइंग की यात्रा की सराहना करते हुए दोनों देशों के बीच साझा बौद्ध विरासत को रेखांकित किया। एक्स पर एक पोस्ट में जायसवाल ने कहा कि म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग ने आज बोधगया का दौरा किया और पवित्र महाबोधि मंदिर में प्रार्थना की। यह यात्रा भारत और म्यांमार के बीच गहरे आध्यात्मिक और सभ्यतागत संबंधों को दर्शाती है, जो साझा बौद्ध विरासत में निहित हैं और पीढ़ियों से हमारे लोगों को जोड़ती आ रही हैं। जयसवाल ने म्यांमार के साथ भारत के सभ्यतागत और आध्यात्मिक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बौद्ध बहुल देश म्यांमार पहुंचने पर राष्ट्रपति के गर्मजोशी से स्वागत का जिक्र किया, जहां बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने उनका अभिनंदन किया। पोस्ट में लिखा था, बोधगया पहुंचने पर म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग का हार्दिक स्वागत है। हवाई अड्डे पर माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) (@GovernorBihar) ने उनका स्वागत किया। पोस्ट में आगे कहा गया कि यह यात्रा "हमारे दोनों देशों को जोड़ने वाले मजबूत आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और जन-संबंधों को दर्शाती है और हमारे निरंतर सहयोग की गहराई को उजागर करती है। आगमन के तुरंत बाद, राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग ने पवित्र महाबोधि मंदिर का दौरा किया, जो एक प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थल और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

रूस दौरे पर एनएसए अजीत डोभाल, सरगेई शोइगू से सुरक्षा मुद्दों पर हुई चर्चा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारत के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल रूस के दौरे पर हैं। अजीत डोभाल ने रूस के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर सरगेई शोइगू से मुलाकात की। पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए पाकिस्तान को खूब धोया। शुरुआत में सबको लगा कि यह एक नॉर्मल रूटीन मीटिंग है। लेकिन इस मीटिंग के बाद जो हुआ उसकी कल्पना ना तो अमेरिका को थी और ना ही पाकिस्तान को। अजीत डोभाल से मिलने के बाद रूस के एनएसए सरगई शोइगू ने अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री मौलवी मोहम्मद याकूब को अपने पास बुला लिया। रूसी एनएसए और अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री ने मिलकर एक फाइल पर साइन कर दिया। असली खबर यह है कि रूस ने अफगानिस्तान के साथ एक बहुत बड़ी डिफेंस डील साइन कर ली है। वो भी अजीत डोभाल से मिलने के बाद। इस बड़ी डिफेंस डील के तहत रूस अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को खतरनाक हथियार देगा। मॉडर्न एयर डिफेंस सिस्टम देगा। इन हथियारों को चलाने के लिए टेक्निकल ट्रेनिंग भी देगा। यानी पाकिस्तान से जंग लड़ रहे तालिबान के पास अब रूसी हथियारों की अनलिमिटेड सप्लाई रहेगी। यह बताने की जरूरत नहीं है कि अफगानिस्तान का तालिबान इन हथियारों का इस्तेमाल किस देश पर करेगा। इस डील के बाद पाकिस्तान में भयंकर भूचाल आ गया है। पाकिस्तान ने अचानक अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की है। याद दिला दें कि कुछ महीनों पहले पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर एक भयंकर एयर स्ट्राइक की थी। यह एयर स्ट्राइक एक हॉस्पिटल पर की गई थी जिसमें 400 मरीजों की मौत हो गई थी। उस समय अफगानिस्तान ने पाकिस्तान से कहा था कि थोड़ा इंतजार करो। हमारा पलटवार और भी तगड़ा होगा। अब अफगानिस्तान रूसी हथियारों से पाकिस्तान पर पलटवार करेगा। पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक्स को रोकने के लिए रूसी एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल करेगा। इस खबर के आते ही पाकिस्तान के पत्रकार, रिटायर्ड फौजियों और डिप्लोमेट्स ने रूस को गालियां देनी शुरू कर दी हैं। यह सभी बोल रहे हैं कि रूस पाकिस्तान से कभी दोस्ती नहीं कर सकता। रूस तो भारत का दोस्त है।

बद्रीनाथ हाईवे पर लगा भारी जाम, हजारों तीर्थयात्री रास्ते में फंसे

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

उत्तराखंड के चमोली में जोशीमठ के पास बद्रीनाथ नेशनल हाईवे 7 पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया है, जिसकी वजह से गाड़ियों का आना-जाना लगभग ठप हो गया है। हालात को संभालने के लिए स्थानीय पुलिस और प्रशासन ने अपने जवानों को तैनात किया है। गाड़ियों के इस भारी दबाव को कम करने के लिए प्रशासन ने हर 30 मिनट के अंतराल पर एकतरफा गाड़ियों को निकालने का फैसला किया है, जिसके लिए एक इमरजेंसी 'टोकन-आधारित गेट सिस्टम' शुरू किया गया है। चमोली के पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने स्थिति की जानकारी देते हुए बताया, "अभी लगभग 30,000 से 35,000 तीर्थयात्री रोजाना श्री बद्रीनाथ धाम जा रहे हैं, और 5,000 से 10,000 अन्य श्रद्धालु हेमकुंड साहिब की ओर बढ़ रहे हैं। तीर्थयात्रियों की इस भारी संख्या की वजह से हमारे मौजूदा नेशनल और स्टेट हाईवे पर दबाव बहुत ज्यादा बढ़ गया है।" सड़कों की स्थिति पर बात करते हुए एसपी ने बताया कि विशेष रूप से जोशीमठ, मारवाड़ी और विष्णुप्रयाग के बीच सड़क का करीब 10 किलोमीटर का हिस्सा बहुत खराब हालत में है। कुछ साल पहले जोशीमठ इलाके में जमीन धंसने की जो प्राकृतिक आपदा आई थी, उसने वहाँ की सड़क व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया था। बुनियादी ढांचे की इन्हीं चुनौतियों और संकरे रास्तों को देखते हुए प्रशासन को यह बड़ा फैसला लेना पड़ा।

ईरान पर ट्रम्प की हाई लेवल बैठक खत्म, व्हाइट हाउस ने फिलहाल टाला फैसला

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की शुक्रवार को सिचुएशन रूम में अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम के साथ हुई बैठक के बाद व्हाइट हाउस ने अभी तक कोई निर्णय नहीं सुनाया है, हालांकि राष्ट्रपति ने पहले संकेत दिया था कि यह चर्चा उन्हें ईरान से संबंधित मुद्दों पर "अंतिम निर्णय" लेने में मदद करेगी। बैठक के बाद जारी एक बयान में, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि लगभग दो घंटे की चर्चा समाप्त हो गई है। अधिकारी ने कहा कि सिचुएशन रूम की बैठक समाप्त हो गई है और लगभग दो घंटे तक चली। राष्ट्रपति ट्रम्प केवल वही समझौता करेंगे जो अमेरिका के लिए अच्छा हो और उनकी निर्धारित शर्तों को पूरा करता हो। ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं रख सकता। ट्रम्प ने बैठक की घोषणा करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य अंतिम निर्णय लेना है। उन्होंने कई शर्तें भी रखीं, जिन्हें वे संघर्ष को समाप्त करने के उद्देश्य से संभावित समझौते के तहत ईरान से स्वीकार करने की अपेक्षा करते हैं। ट्रम्प ने कहा कि ईरान को यह स्वीकार करना होगा कि उसके पास कभी भी परमाणु हथियार या बम नहीं होगा। होर्मुज जलडमरूमध्य को तुरंत खोला जाना चाहिए, बिना किसी शुल्क के, दोनों दिशाओं में निर्बाध जहाज यातायात के लिए। यदि कोई जलमग्न खदानें (बम) हैं, तो उन्हें नष्ट कर दिया जाएगा (हमने अपने शक्तिशाली जलमग्न खदान सफाई यंत्रों से विस्फोट करके ऐसी कई खदानों को हटा दिया है। ईरान को बची हुई सभी खदानों को तुरंत हटाना और/या नष्ट करना होगा, जो कि बहुत कम होंगी)! ईरान ने कहा कि कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है और उसने इस बात को खारिज कर दिया कि तेहरान बाहरी दबाव में काम करेगा। ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस टीवी ने यह जानकारी दी। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने सरकारी टेलीविजन को बताया, तेहरान ने 47 साल पहले 'अनिवार्य' की भाषा को अलविदा कह दिया है। पश्चिमी देशों में से कोई भी ईरान के बारे में बात करते समय 'अनिवार्य' की भाषा का इस्तेमाल नहीं कर सकता। हम ईरानी राष्ट्र के हितों और अधिकारों के आधार पर अपने फैसले खुद लेते हैं। यह गतिरोध अमेरिका और ईरान के बीच नाजुक युद्धविराम को बढ़ाने के उद्देश्य से कथित तौर पर 60 दिनों के समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर आया है। इसमें कथित तौर पर ईरान की परमाणु हथियार न बनाने की प्रतिबद्धता शामिल है और यह भी कहा गया है कि 60 दिनों के दौरान शुरुआती बातचीत ईरान के अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम के निपटान और संवर्धन गतिविधियों पर सीमाएं लगाने पर केंद्रित होगी।

संपादक की कलम से

पानी जीवन का आधार है। मानव जीवन, कृषि, उद्योग और पर्यावरण सभी की निर्भरता जल पर है। इसके बावजूद आज दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट की गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, भूजल के अत्यधिक दोहन और जल स्रोतों के प्रदूषण ने स्थिति को और चिंताजनक बना दिया है। ऐसे समय में जल संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता बन चुका है। भारत में अधिकांश क्षेत्रों की जल आवश्यकताएं मानसून पर निर्भर हैं। लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का स्वरूप लगातार बदल रहा है। कहीं अत्यधिक बारिश हो रही है तो कहीं सूखे जैसी स्थिति पैदा हो रही है। इससे जल संसाधनों का संतुलन बिगड़ रहा है। कई शहरों और गांवों में गर्मी के मौसम में पेयजल संकट आम बात हो गई है। यह संकेत है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में समस्या और गंभीर हो सकती है।जल संरक्षण की शुरुआत व्यक्तिगत स्तर से की जा सकती है। घरों में पानी की बर्बादी रोकना, वर्षा जल संचयन को अपनाना और जल के प्रति जिम्मेदार व्यवहार विकसित करना आवश्यक है। छोटी-छोटी बचत भी बड़े परिणाम दे सकती है। इसी प्रकार कृषि क्षेत्र में ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग जल की खपत को काफी हद तक कम कर सकता है।सरकारों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जलाशयों, तालाबों और नदियों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी नीतियां लागू करनी होंगी। शहरी क्षेत्रों में जल प्रबंधन की बेहतर व्यवस्था विकसित करना भी समय की मांग है। जल संरक्षण केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह आर्थिक और सामाजिक स्थिरता से भी जुड़ा हुआ है। पानी की कमी कृषि उत्पादन को प्रभावित करती है, उद्योगों की गति को धीमा करती है और लोगों के जीवन स्तर पर सीधा असर डालती है। इसलिए जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देने की आवश्यकता है।आज यदि हम पानी बचाने के लिए गंभीर प्रयास करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य दे सकेंगे। जल की हर बूंद अनमोल है और उसका संरक्षण हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। यही जिम्मेदारी भविष्य को सुरक्षित और समृद्ध बनाने का सबसे प्रभावी मार्ग है।

ज्योतिषी ने निकाला शुभ मुहूर्त,

उसी समय कर्नाटक के सीएम बनेंगे डीके शिवकुमार

कर्नाटक कांग्रेस विधायक दल ने डीके शिवकुमार को सर्वसम्मति से नेता चुना है। वे 3 जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। सादगीपूर्ण समारोह राजभवन में होगा। सिद्दरमैया ने उनके नाम का प्रस्ताव रखा और नई कैबिनेट पर अब सबकी नजरें हैं।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कर्नाटक की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव होने जा रहा है। कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार 3 जून को कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। उनका शपथ ग्रहण समारोह दोपहर 3:30 बजे राजभवन के ग्लास हाउस में आयोजित किया जाएगा। पार्टी नेताओं के अनुसार, शपथ ग्रहण की तारीख और समय का निर्धारण डीके शिवकुमार के निजी ज्योतिषी बेलूर द्वारकानाथ से परामर्श के बाद किया गया है। ज्योतिष में विश्वास रखने वाले डीके शिवकुमार को सलाह दी गई थी कि वे शाम करीब 4:05 बजे शुरू होने वाले शुभ मुहूर्त में शपथ ग्रहण करें। इसी को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि इस समय का चयन इसलिए भी किया गया ताकि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी कार्यक्रम में आसानी से शामिल हो सकें।सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चली लंबी चर्चाओं के अंतिम चरण में प्रियंका गांधी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कांग्रेस नेतृत्व ने राज्य में सत्ता परिवर्तन को लेकर सभी पक्षों को साथ लेकर निर्णय लेने का प्रयास किया, जिसके बाद डीके शिवकुमार के नाम पर सहमति बनी।हालांकि मुख्यमंत्री पद की शपथ का यह अवसर राजनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, लेकिन कांग्रेस ने इसे भव्य आयोजन का रूप न देने का फैसला किया है। राज्य कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जीसी चंद्रशेखर ने बताया कि प्रारंभिक योजना के अनुसार शपथ ग्रहण समारोह विधान सौध की भव्य सीढ़ियों पर आयोजित किया जाना था, जहां 15 से 20 हजार लोगों के जुटने की संभावना थी। लेकिन बढ़ती महंगाई, ईंधन की कीमतों और आम जनता की परेशानियों को देखते हुए पार्टी ने कार्यक्रम को सीमित और सादगीपूर्ण रखने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि स्वयं डीके शिवकुमार ने इस बात पर जोर दिया कि समारोह सादगी से आयोजित किया जाए, ताकि जनता की सेवा और जिम्मेदार शासन का संदेश दिया जा सके। इसके अलावा 3 जून कार्यदिवस होने के कारण पार्टी किसी भी प्रकार की ट्रैफिक समस्या या आम लोगों को होने वाली असुविधा से बचना चाहती थी।इससे पहले शनिवार को विधान सौध में आयोजित कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक में डीके शिवकुमार को सर्वसम्मति से नेता चुना गया। कर्नाटक कांग्रेस में पिछले 17 वर्षों के दौरान नेतृत्व परिवर्तन का यह पहला बड़ा अवसर है। इस पूरे समय मुख्यमंत्री पद और विधायक दल के नेतृत्व की जिम्मेदारी सिद्दरमैया के पास रही थी।बैठक के दौरान निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने स्वयं डीके शिवकुमार के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका पूर्व गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने समर्थन किया। इसके बाद सभी विधायकों ने एकमत से प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आधिकारिक रूप से डीके शिवकुमार को विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की।विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद डीके शिवकुमार ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। अब शपथ ग्रहण समारोह के बाद नई कैबिनेट के गठन और मंत्रियों के विभागों के बंटवारे पर राजनीतिक हलकों की नजरें टिकी हुई हैं। माना जा रहा है कि नई सरकार के गठन के साथ ही कांग्रेस राज्य में अपनी आगामी राजनीतिक रणनीति को भी नई दिशा देने का प्रयास करेगी।

असम मंत्रिमंडल का होगा विस्तार, 5 जून को नए मंत्री लेंगे शपथ

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

असम की राजनीति में अगले सप्ताह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने घोषणा की है कि राज्य मंत्रिपरिषद का विस्तार 5 जून 2026 को किया जाएगा। इस दिन नए मंत्रियों को शपथ दिलाई जाएगी और सरकार में कुछ नए चेहरों को शामिल किया जाएगा। हालांकि मुख्यमंत्री ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि कितने नए मंत्री शपथ लेंगे और उन्हें कौन-कौन से विभाग सौंपे जाएंगे। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि असम सरकार की मंत्रिपरिषद का विस्तार 5 जून को किया जाएगा। उनके इस ऐलान के बाद राज्य की राजनीति में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है और मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने वाले संभावित नेताओं के नामों को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। गौरतलब है कि हिमंत बिस्वा सरमा ने हाल ही में लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। 12 मई को राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई थी। इस शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और अनेक प्रमुख गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए थे।मुख्यमंत्री के साथ उस समय चार अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली थी। इनमें भारतीय जनता पार्टी के अजंता नियोग और रामेश्वर तेली, असम गण परिषद के अतुल बोरा तथा बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के चरन बोरो शामिल थे। असम विधानसभा चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल की है। 126 सदस्यीय विधानसभा में गठबंधन ने कुल 102 सीटों पर जीत दर्ज की। भाजपा को 82 सीटें मिलीं, जबकि उसके सहयोगी दल असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट ने 10-10 सीटें जीतीं।मंत्रिमंडल विस्तार को सरकार के संगठनात्मक संतुलन और राजनीतिक रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब सभी की नजरें 5 जून पर टिकी हैं, जब नए मंत्रियों के नामों से पर्दा उठेगा।

अभिषेक बनर्जी पर हमले के बाद राहुल गांधी का फोन,

ममता बोलीं- हर मदद का दिया भरोसा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी पर कथित हमले के बाद राज्य की राजनीति गरमा गई है। इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया है कि कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उन्हें फोन कर अभिषेक बनर्जी के इलाज के लिए हर संभव मदद की पेशकश की है। ममता बनर्जी ने शनिवार देर रात पत्रकारों से बातचीत में बताया कि राहुल गांधी ने फोन कर कहा कि यदि किसी भी तरह की सहायता की जरूरत हो तो वे उपलब्ध हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि जरूरत पड़ने पर अभिषेक बनर्जी को बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद या किसी अन्य स्थान पर भी ले जाया जा सकता है।यह घटना दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर इलाके की है, जहां अभिषेक बनर्जी चुनाव बाद हिंसा से प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की और विरोध प्रदर्शन किया। घटना के दौरान धक्का-मुक्की और हंगामे की स्थिति बन गई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में कुछ प्रदर्शनकारी अभिषेक बनर्जी की ओर पत्थर, अंडे और जूते फेंकते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान उनकी शर्ट भी फट गई। बाद में सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला।घटना के बाद अभिषेक बनर्जी ने इसे एक सुनियोजित साजिश बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाके में पर्याप्त पुलिस बल मौजूद नहीं था और उन पर जानलेवा हमला करने की कोशिश की गई। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि घटना के बाद कुछ अस्पतालों और डॉक्टरों पर दबाव बनाया गया ताकि अभिषेक बनर्जी को इलाज न मिल सके। उन्होंने दावा किया कि अस्पताल प्रशासन को धमकी भरे फोन किए गए।वहीं, राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि किसी सांसद पर हमला लोकतंत्र और जनता के जनादेश पर हमला है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।दूसरी ओर, भाजपा ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि घटना से पार्टी का कोई संबंध नहीं है और इसे राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। फिलहाल इस मामले को लेकर राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

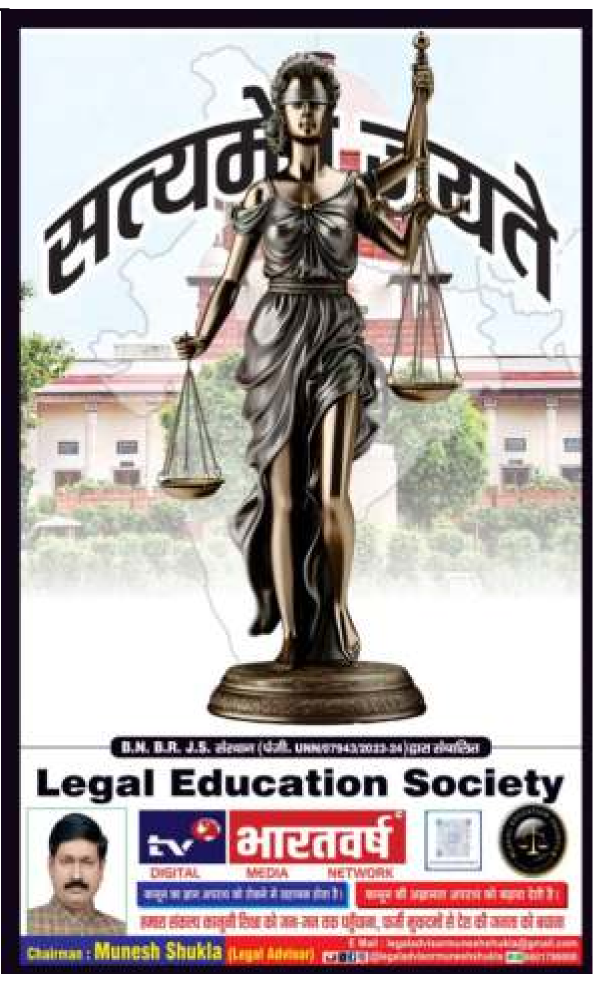

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आपकी नौकरी खा जाएगा?

सुंदर पिचाई ने छात्रों की चिंता पर दिया ये जवाब

क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हमारी नौकरियां छीन लेगा? आज हर युवा और छात्र के मन में यही सवाल है। हाल ही में गूगल के पूर्व सीईओएरिक श्मिट को भी इसी विषय पर बात करते समय एरिजोना यूनिवर्सिटी के छात्रों के विरोध का सामना करना पड़ा था। अब गूगल के मौजूदा सीईओ सुंदर पिचाई अगले महीने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के छात्रों से बात करने वाले हैं। लेकिन इस बार पिचाई ने छात्रों के इस डर और चिंताओं को समझते हुए इस विषय पर अपना नजरिया पहले ही साफ कर दिया है। सुंदर पिचाई ने साफ कहा है कि, एआई को लेकर स्टूडेंट्स का डरना बिल्कुल जायज है। हाल ही में हार्ड फोर्क पॉडकास्ट में बात करते हुए उन्होंने कहा कि, जब कोई इतनी बड़ी और नई तकनीक आती है तो लोगों का घबराना आम बात है। पिचाई ने एआई को इंसान की बनाई अब तक की सबसे बड़ी और असरदार तकनीक बताया है। ऐसे में अगर लोग अपनी नौकरी और भविष्य को लेकर टेंशन में हैं तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि जब कोई इतना बड़ा और क्रांतिकारी बदलाव आता है तो लोगों का असहज होना आम बात है। गूगल के सीईओ ने माना कि, इंसान इतनी जल्दी बड़े बदलावों को अपनाने के लिए नहीं बना है। लोग अपनी आर्थिक सुरक्षा और नौकरियों को लेकर डरे हुए हैं। पिचाई ने कहा कि, वह भी अक्सर लोगों को यह कहते हुए सुनते हैं कि, एआई के आने से काम

करने का तरीका पूरी तरह बदल जाएगा और कुछ नौकरियां तो हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगी। हालांकि, नौकरियों के खत्म होने की इन नकारात्मक भविष्यवाणियों से पिचाई पूरी तरह सहमत नहीं हैं। उनका मानना है कि, आज के स्टूडेंट्स एआई के समय में एक बहुत खास भूमिका निभाएंगे। पिचाई ने कहा कि उन्हें नई पीढ़ी पर पूरा भरोसा है। यह पीढ़ी सिर्फ एआई का असर नहीं देखेगी बल्कि इसके भविष्य को भी तय करेगी। उनका मानना है कि हर पीढ़ी के सामने बड़ी चुनौतियां आती हैं और आखिर में वे उसके हिसाब से खुद को ढाल लेते हैं और एक बेहतर दुनिया बनाते हैं। सुंदर पिचाई का मानना है कि एआई इंसानों की जगह नहीं लेगा बल्कि उनकी ताकत और काम करने की रफ्तार को बढ़ाएगा। उन्होंने इसका उदाहरण कंप्यूटर स्प्रेडशीट से दिया जिसने काम के तरीके को बहुत आसान कर दिया था। पिचाई के मुताबिक, एआई से लोग उन मुश्किल कामों को भी आसानी से कर पाएंगे जिन्हें पहले सिर्फ कुछ खास और अनुभवी लोग ही कर पाते थे। आखिर में पिचाई ने इस बात पर जोर दिया कि, नई तकनीक आने से थोड़ी उथल-पुथल तो होती ही है। आर्थिक बदलावों और नौकरी जाने के डर पर बात होनी चाहिए। लेकिन उनका यह भी मानना है कि दुनिया में एआई के फायदों को नजरअंदाज करके सिर्फ इसके सबसे बुरे पहलुओं पर ही ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारों और कंपनियों को इस बदलाव को गंभीरता से लेना होगा ताकि, भविष्य को बेहतर बनाया जा सके।

भारतीय नौसेना का अगला- प्रमुख जानें पढ़ाई से लेकर सैलरी तक सबकुछ

देश की समुद्री सुरक्षा की जिम्मेदारी अब एक नए हाथों में जाने वाली है. वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को भारतीय नौसेना का अगला प्रमुख (Chief of Naval Staff) नियुक्त किया गया है. वे 31 मई 2026 को अपना कार्यभार संभालेंगे. अभी वे मुंबई स्थित पश्चिमी नौसेना कमान के कमांडिंग इन चीफ हैं. मौजूदा नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी 30 मई को रिटायर हो रहे हैं, जिसके बाद यह जिम्मेदारी स्वामीनाथन को सौंपी जाएगी. कृष्णा स्वामीनाथन का जन्म बेंगलुरु में हुआ था. उनके पिता डी. स्वामीनाथन और माता शांता स्वामीनाथन दोनों शिक्षक थे. यानी घर का माहौल शुरू से ही पढ़ाई और अनुशासन से जुड़ा हुआ था. उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई बेंगलुरु के मशहूर Bishop Cotton Boys' School से की. इसके बाद वे Sainik School, Bijapur में पढ़े, जहां से उनके अंदर सेना और अनुशासन की नींव और मजबूत हुई. आगे चलकर उन्होंने नेशनल डिफेन्स अकादमी (NDA), पुणे से अपनी उच्च सैन्य शिक्षा पूरी की. यहीं से उनका सफर भारतीय नौसेना की ओर बढ़ा. दुनिया के बड़े सैन्य संस्थानों से मिली ट्रेनिंग कृष्णा स्वामीनाथन सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी उच्च सैन्य प्रशिक्षण ले चुके हैं. उन्होंने यूनाइटेड किंगडम के जॉइंट सर्विसेज कमांड एन्ड स्टाफ कॉलेज श्रीवेनहम से पढ़ाई की है. इसके अलावा उन्होंने College of Naval Warfare, Karanja और United States Naval War College से भी महत्वपूर्ण सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया. 1987 में शुरु हुआ नौसेना का सफर वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को 1 जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन मिला था. इसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे अपने काम से एक अलग पहचान बनाई. वे संचार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के विशेषज्ञ माने जाते हैं.

दिग्गज क्लाउड लेमियू ने खुदकुशी कर ली

टूट जाएगा विराट कोहली का महा-रिकॉर्ड?

शुभमन गिल और साई सुदर्शन की जोड़ी ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में अपनी बल्लेबाजी से तबाही मचा रखी है। गुजरात टाइटंस (GT) की यह ओपनिंग जोड़ी अब आईपीएल इतिहास के पन्नों में अपना नाम हमेशा के लिए दर्ज कराने की कगार पर खड़ी है। आज अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (R C B) के खिलाफ होने वाले फाइनल मैच में इस जोड़ी के पास आईपीएल की ऑल-टाइम नंबर-1 जोड़ी बनने का सुनहरा मौका है। इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में शुभमन गिल दूसरे और साई सुदर्शन तीसरे नंबर पर हैं। दोनों ही बल्लेबाज 700 से अधिक रन बना चुके हैं और इन्हीं के दम पर गुजरात फाइनल तक पहुंची है। अब इतिहास रचने के लिए इस जोड़ी को सिर्फ 54 रनों की जरूरत है। अगर आज फाइनल में गिल और सुदर्शन के बीच 54 रनों की पार्टनरशिप हो जाती है, तो वे एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा पार्टनरशिप रन बनाने वाली जोड़ी बन जाएंगे। फिलहाल एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा पार्टनरशिप रन बनाने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप

से विराट कोहली के नाम है। कोहली ने साल 2023 में फाफ डु प्लेसी के साथ और साल 2016 में एबी डी विलीयर्स के साथ 939-939 रन जोड़े थे। शुभमन गिल और साई सुदर्शन इस रिकॉर्ड के मामले में पहले भी एक बड़ा जख्म खा चुके हैं। आईपीएल 2025 में इस जोड़ी ने कमाल की बल्लेबाजी करते हुए 912 रन बनाए थे, लेकिन तब वे कोहली का रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गए थे। इस सीजन में यह जोड़ी अब तक 886 रन बना चुकी है और इस बार वे कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे।

विनेश एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई

एशियन गेम्स में हिस्सा लेने के लिए विनेश फोगाट ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में ट्रायल्स में भाग लिया। लेकिन विनेश एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई। उन्हें सेलेक्शन ट्रायल्स में महिलाओं के 53kg ट्रायल के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने 53kg वर्ग में प्रतिस्पर्धा किया। उन्होंने अपना ट्रायल का अपना पहला राउंड बड़े अंतर से जीता। उन्होंने हरियाणा की ज्योति को 7-1 से हराया। वहीं सेमीफाइनल में उनका सामना मीनाक्षी गोयात से हुआ। वहां उन्हें 6-4 से हार का सामना करना पड़ा। बता दें कि आज सुबह विनेश किस केटेगरी में खेलेंगी? इसको लेकर काफी बवाल हुआ था। दरअसल विनेश को जब बताया गया कि उन्हें सिर्फ 50kg वर्ग में प्रतिस्पर्धा की इजाजत मिलेगी, तो महिला पहलवान ने इसका विरोध जताते हुए महासंघ पर भेदभाव का आरोप लगाया।

हालांकि बाद में उन्हें 53kg केटेगरी में प्रतिस्पर्धा की इजाजत दे दी गई। भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) नहीं चाहता था कि विनेश फोगाट इस ट्रायल मैच में खेलें। दिल्ली हाई कोर्ट ने विनेश को ट्रायल्स में शामिल होने की इजाजत दे दी थी, लेकिन महासंघ इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। आखिर में सुप्रीम कोर्ट ने विनेश के पक्ष में फैसला सुनाया, जिसके बाद ही वह इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकीं।

2026 की क्लोजिंग सेरेमनी में बिखरेगा कैलाश खेर की आवाज का जादू

आईपीएल 2026 का रोमांच अब चरम पर पहुंच चुका है। आज ही, यानी 31 मई,2026 को राजस्थान रॉयल्स बेंगलुरु और गुजरात टाइंटस के बीच आज आईपीएल का फाइनल मैच खेला जाना है, जिसे लेकर दोनों टीमों के समर्थकों में जबरदस्त उत्साह है। आरसीबी और जीटी के बीच ये मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां तय होगा कि इस सीजन का विजेता कौन बनेगा। आरसीबी जहां लगातार दूसरी बार विजेता बनने के इरादे से मैदान में उतरेगी तो वहीं गुजरात टाइटंस 2022 की सफलता को दोहराने की कोशिश करेगी। दोनों ही टीमें जबरदस्त फॉर्म में हैं, ऐसे में ये देखना दिलचस्प होगा कि इस बार की ट्रॉफी किसके नाम होती है। फिनाले से पहले आईपीएल 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी में कई भारतीय कलाकार शानदार प्रस्तुति देकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते नजर आने वाले हैं। तो चलिए जानते हैं कि आईपीएल 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी में कौन-कौन से सिंगर अपनी आवाज का जादू बिखेरने वाले हैं। सिंगर कैलाश खेर अपनी परफॉर्मेंस से आईपीएल 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी का जोरदार आगाज करने के लिए तैयार हैं। अपनी सुरीली और दमदार आवाज से कैलाश खेर खिलाड़ियों का जोश बढ़ाते नजर आएंगे, जिसे लेकर उनके फैंस भी बेहद एक्साइटेड हैं। कैलाश खेर की आवाज ऐसे ही लोगों के दिलों में जोश भर देती है, ऐसे में आईपीएल की क्लोजिंग सेरेमनी में उनकी परफॉर्मेंस को लेकर फैंस काफी खुश हैं। कैलाश खेर के अलावा गुजरात के लोक गायक अरविंद वेगड़े भी आईपीएल 2026 की क्लोजिंग सेरेमनी में अपनी आवाज का जादू बिखेरते नजर आएंगे। 'जबरो फैन' से लेकर 'भला मोरी रामा' जैसे गानों के लिए मशहूर अरविंद वेगड़े अब तक कई हिट सॉन्ग दे चुके

हैं और गुजराती फिल्म इंडस्ट्री के सबसे चर्चित सिंगर्स में से हैं। अरविंद वेगड़े के अलावा देवांशी शाह भी क्लोजिंग सेरेमनी में परफॉर्म करती दिखेंगी। देवांशी भी एक गुजराती फोक सिंगर हैं और कई रियेलिटी शोज में भी अपनी आवाज का जादू बिखेर चुकी हैं।

शादी की शर्त ने मचाया बवाल

अपर कास्ट या फिर 80 लाख की कमाई जरूरी

क्या आज भी शादी में प्यार से ज्यादा जाति और पैसा मायने रखते हैं? हाल ही में सामने आई एक घटना ने इसी सवाल को फिर से चर्चा में ला दिया है. एक पढ़ी-लिखी और सफल महिला ने अपनी शादी के लिए ऐसी शर्त रख दी, जिसने आधुनिक सोच पर सवाल खड़े कर दिए- या तो दूल्हा 'उच्च जाति' का हो, वरना उसकी कमाई 80 लाख रुपये सालाना होनी चाहिए. इस एक शर्त ने दिखा दिया कि आज भी समाज में जाति और स्टेटस की सोच कितनी गहराई से जुड़ी हुई है, भले ही हम खुद को कितना भी प्रगतिशील क्यों न मान लें.

कहानी एक 32 साल की महिला की है, जो अपना खुद का फैशन बिजनेस चलाती है. वह एक अच्छे और पढ़े-लिखे परिवार से आती है. उसके पिता आईपीएस अधिकारी हैं और मां एक टीचर हैं. यानी बाहर से देखने पर वह एक आधुनिक और प्रगतिशील सोच वाले परिवार की लगती है. लेकिन जब बात शादी की आई, तो उसने दूल्हे के लिए एक खास शर्त रखी.

3 लाख महीना भी पड़ रहा कम

कपल ने महंगाई के डर से चुना 'नो किड्स' फॉर्मूला

आज के समय में बढ़ती महंगाई और ऊंचे खर्चों ने लोगों की जिंदगी के बड़े फैसलों को भी बदल दिया है. जहां पहले शादी के बाद बच्चा होना एक सामान्य बात मानी जाती थी, वहीं अब कई कपल इस पर दोबारा सोच रहे हैं.

गुरुग्राम के एक कपल ने भी कुछ ऐसा ही फैसला लिया है, अच्छी खासी कमाई होने के बावजूद उन्होंने बच्चा न करने का निर्णय लिया, और इसकी वजह जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे. गुरुग्राम में रहने वाले एक दंपति ने बच्चा न करने का फैसला लिया है, और इसकी वजह है बढ़ती महंगाई और खर्चे. इस दंपति की सालाना कमाई करीब 36 लाख रुपये है, जो सुनने में काफी अच्छी लगती है. पति हर महीने लगभग 2 लाख

रुपये कमाते हैं और पत्नी 1 लाख रुपये कमाती हैं. लेकिन इसके बावजूद उनका कहना है कि वे अभी बच्चे का खर्च नहीं उठा सकते.

इस बात को उनके रिश्तेदार हर्ष गुप्ता ने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसके बाद यह मुद्दा चर्चा में आ गया. उन्होंने बताया कि कागजों पर तो यह दंपति आर्थिक रूप से मजबूत लगता है, लेकिन असल जिंदगी में खर्च इतने ज्यादा हैं कि वे परिवार बढ़ाने से बच रहे हैं. कपल का कहना है कि गुरुग्राम जैसे शहर में एक अच्छा घर खरीदना बहुत मुश्किल हो गया है. उन्होंने बताया कि वे एक ठीक-ठाक 1BHK फ्लैट भी नहीं खरीद पा रहे हैं. ऐसे में उनका सवाल है कि जब वे खुद के लिए सही जगह नहीं ले पा रहे, तो बच्चे के लिए बेहतर माहौल कैसे देंगे. इसके अलावा, बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी बहुत ज्यादा है.

प्राइवेट स्कूलों की फीस हर महीने करीब 35,000 से 40,000 रुपये तक हो सकती है, जो उनके लिए उनके लिए संभालना मुश्किल है. यही कारण है कि उन्होंने अभी बच्चा न करने का फैसला लिया है. आजकल ऐसे कई शहरी कपल हैं, जो डबल इनकम, नो किड्स यानी DINK लाइफस्टाइल अपना रहे हैं.

दिल्ली मेट्रो की लड़ाई वायरल, भड़के सोशल मीडिया यूजर्स

बहस के बाद लड़की ने जड़ा बुजुर्ग को थप्पड़

आए दिन दिल्ली मेट्रों में लड़ाई-झगड़े या बहस के वीडियो सामने आते रहते हैं. एक ऐसा ही वीडियो चर्चमा में है, जिसमें एक लड़की सीट को लेकर एक शख्स को थप्पड़ लगाती दिख रही है.

दिल्ली मेट्रो में लड़ाई-झगड़े से जुड़े वीडियो अक्सर वायरल होते रहते हैं. आए दिन कोई बहस, डांस या झगड़े का वीडियो सामने आते रहते हैं. इन दिनों ऐसा ही एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला ने मेट्रो में सफर कर रहे एक शख्स को थप्पड़ लगा दिया.

सोशल मीडिया पर दिल्ली मेट्रो का एक वीडियो घूम रहा है. इसमें सीट को लेकर एक महिला और एक पुरुष के बीच तीखी बहस होती दिखाई दे रही है. देखते ही देखते यह बहस हाथापाई में तब्दील हो गई. जब महिला ने शख्स को थप्पड़ जड़ दिया. इस घटना का किसी यात्री ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया. उसके बाद से यह वायरल हो रहा है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर @ghar-kekalesh नाम के हैंडल से एक वीडियो शेयर किया गया है. इसका कैप्शन है - दिल्ली मेट्रो के अंदर सीट को लेकर लड़की और अंकल के बीच कलेश. इस वीडियो में मेट्रो में सीट को लेकर एक लड़की और सीट पर बैठे शख्स के बीच तीखी बहस होती दिखाई देती है. फिर अचानक से लड़की उस आदमी को थप्पड़ लगा देती है.

इसके बाद वो शख्स भी खड़ा हो जाता है और लड़की को मारने के लिए हाथ उठाता है, फिर हाथ रोक लेता है. दोनों के बीच में एक महिला बीच-बचाव करती दिखाई देती है. लड़की लगातार ऊंची आवाज में सामने बैठे शख्स से बहस करती रह जाती है. इसके बाद उस शख्स को आसपास के लोग समझाकर बैठा देते हैं और लड़की आगे बढ़ जाती है.

टकराव हाथापाई में तब्दील

जैसे-जैसे लड़की का गुस्सा बढ़ता गया, टकराव हाथापाई में तब्दील हो गई. एक समय ऐसा भी आया जब महिला ने बहस के दौरान पुरुष को थप्पड़ मार दिया. पुरुष तुरंत अपनी सीट से उठा और उसकी ओर बढ़ा, जिससे स्थिति और भी बिगड़ गई. इस वीडियो पर काफी लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. एक शख्स ने लिखा है - दिल्ली मेट्रो को ऐसे झगड़ों के लिए सख्त नियम बनाने चाहिए.

स्नेक शो में सपेरे के हाथ से भागा सांप, टूरिस्ट को डसा

इजिप्ट में के एक रिसॉर्ट में हाल ही में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई. इजिप्ट के पिरामिड देखने और वहां घूमने आए एक जर्मन टूरिस्ट की विचित्र तरीके से मौत हो गई. वह शख्स रिसॉर्ट में सांप के करतब (स्नेक शो) देख रहा था. यह स्नेक शो उसके टूर पैकेज के एक एक्सक्लूसिव ऑफर का हिस्सा था. करतब के दौरान जब सपेरा सांप को टूरिस्ट के नजदीक ले गया तो वह फिसककर उसके पैंट में घुस गया और उसे काट लिया. न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने बताया कि एक जर्मन पर्यटक की तब मौत हो गई.

'रामायण' का असर निजी जीवन पर भी पड़ा रणबीर कपूर ने साझा किया अनुभव

लंबे समय से अभिनेता रणबीर कपूर अपनी मोस्ट अवेटेड आगामी फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चाओं में बनें है। गौरतलब है कि रामायण फिल्म को भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्म बताई जा रही हैं। दरअसल, इस फिल्म में अभिनय करके रणबीर के जीवन में काफा बदलाव आया है। इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम के किरदार में नजर आएंगे। हालिए में रणबीर ने बताया है कि फिल्म पर काम करने से उन पर व्यक्तिगत और इमोशनली कितना गहरा प्रभाव पड़ा। एक्टर ने खुलासा किया है कि इस प्रोजेक्ट में न सिर्फ जीवन प्रति दृष्टिकोण बदला है और बेटी राहा कपूर के लिए बेहतर पिता बनने में मदद हुई है। रणबीर कपूर ने टॉप मैगजीन के साथ बातचीत के दौरान भगवान राम की भूमिका निभाने के बारे में बात की। एक्टर ने स्वीकार किया है कि शुरुआत में उन्हें काफी संदेह था कि क्या वे इतने प्रतिष्ठित किरदार के साथ न्याय कर पाएंगे या नहीं। उन्होंने खुद से सवाल किया वे इस भूमिक को निभाने के लिए योग्य हैं। लेकिन समय के साथ यह डर प्रोजेक्ट के प्रति प्रेम में बदल चुका। उन्होंने बताया कि मुझे यह समझ आया कि यह मेरे करियर के लिए कोई निर्णायक कदम नहीं होगा,बल्कि यह निश्चित रूप से मेरे जीवन को बदल देने वाला था। इसने मुझे रामायण को समझने, भगवान राम की यात्रा को समझने के करीब ला दिया। मुझे लगता है कि इसने मेरे जीवन में कई सकारात्मक बदलाव लाए हैं। मेरी बुरी आदतें बदल चुकीं है, मेरे मूल्यों में काफी बदलाव आया है, जीवन को देखने का मेरा नजरिया बदल गया है। हानि को देखने को मेरा नजरिया बदल चुका है, त्याग को देखने का मेरा नजरिया बदल गया, धर्म को देखने का मेरा नजरिया बदल गया है और मुझे लगता है कि मुझे अपने जीवन में इसकी बहुत जरूरत थी।

रणबीर कपूर ने आगे बताया कि कैसे पिता बनना और रामायण में काम करना उनके जीवन में एक साथ घटित हुआ है, जिससे यह अनुभाव उनके लिए और भी अधिक सार्थक हो गया। रणबीर ने कहा कि यह मेरे जीवन का एक प्यारा संयोग था। मेरी बेटी राहा ने मुझे बेहतर इंसान बनाया है और रामायण भी चाहती हैं कि मैं राहा के लिए बेहतर इंसान बन सकूं, इसलिए सबकुछ पहले से जुड़ा था। मैं सही समय पर सही जगह पर था जब हमारी सच्चाई, हमारी संस्कृति, हमारे इतिहास पर आधारित इतनी बड़ी फिल्म सबसे प्रामाणिक तरीके से बन रही थी। यह एक आशीर्वाद था और मैं जीवन भर के लिए आभारी रहूंगा।

बकरीद के दिन छात्र की चाकू मारकर हत्या

योगी सरकार ने दिए सख्त कार्रवाई के संकेत

सूर्या अपने दोस्तों के साथ असद से मिलने पहुंचा। विक्की के अनुसार, असद अपने साथियों के साथ केले के गोदाम के पास खड़ा था। असद ने सूर्या से पूछा कि क्या उसने कभी बकरा हलाल होते देखा है? सूर्या ने मना कर दिया और वापस जाने लगा।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

गाजियाबाद में खोड़ा थाना क्षेत्र के नवनीत विहार में बकरीद के दिन 11वीं के छात्र सूर्या चौहान (Surya Chauhan) की चाकू मारकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस वारदात के पूरे इलाके में तनाव का माहौल है। पोस्टमॉर्टम के बाद शनिवार को सूर्या का शव उसके घर पहुंचा है। इस मामले पर राजनीतिक गलियारे में जोर शोर से चर्चा हो रही है। दूसरी तरफ हिंदू संगठन के लोग मृतक के समर्थन में खड़े हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। गाजियाबाद में सूर्या चौहान हत्याकांड पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। डिप्टी सीएम ने कहा- हत्यारा कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा। हत्या जहां भी हो, उसे खोज निकाला जाएगा। हत्या करने वालों को फांसी पर चढ़ाने के लिए जो कानूनी कार्रवाई होती है, वो की जाएगी। सरकार कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर है। जिन लोगों ने ऐसा अपराध किया है, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। सूर्या हत्याकांड पर यूपी के मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि घटना की जांच चल रही है। दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने आगे कहा- निश्चित रूप से, इस घटना के पीछे जो भी है। उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। योगी सरकार को राज्य में कानून-व्यवस्था वाली सरकार माना जाता है। सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी गंभीरता से काम करती है। मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने चंदौली में समाजवादी पार्टी की नेता पर उनके घर में कथित हमले की घटना पर भी प्रतिक्रिया दी है। दानिश ने कहा- पूरे देश ने सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो देखा है। जिसमें दिखाया गया कि कैसे एक समाजवादी पार्टी के नेता ने अपनी ही पार्टी की सदस्य पर हमला किया। इससे महिलाओं के प्रति पार्टी का असली चरित्र और मानसिकता सामने आती है। न तो पार्टी ने इस घटना पर कोई कार्रवाई की और न ही कोई बयान जारी किया। इससे साफ पता चलता है कि पार्टी के अंदरूनी कलह के संकेत मिलने लगे हैं। इससे पता चलता है कि समाजवादी पार्टी महिला विरोधी है। गाजियाबाद में बकरीद के दिन सूर्या अपने पड़ोसी दोस्तों विक्की और आयुष के साथ घर के पास घूम रहा था। तभी पड़ोस में रहने वाले असद ने फोन कर उसे गली नंबर दो के पास बुलाया। सूर्या अपने दोस्तों के साथ असद से मिलने पहुंचा। विक्की के अनुसार, असद अपने साथियों के साथ केले के गोदाम के पास खड़ा था। असद ने सूर्या से पूछा कि क्या उसने कभी बकरा हलाल होते देखा है? सूर्या ने मना कर दिया और वापस जाने लगा। इसके बाद आरोपियों ने सूर्या के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब सूर्या ने विरोध किया तो असद और उसके साथियों ने चाकू से हमला कर दिया। सूर्या ने शोर मचाया और असद को धक्का देकर भागने की कोशिश की। इस दौरान आरोपियों ने सूर्या के पेट में चाकू मार दिया। आरोपियों ने सूर्या का पीछा किया और कई बार चाकू से वार किए। सूर्या पेट में चाकू लगने के बाद करीब 200 मीटर तक भागा। दोस्तों के शोर मचाने पर आरोपी फरार हो गए। सूर्या घायल अवस्था में भागते-भागते गली नंबर एक और दो के बीच में बेसुध होकर गिर पड़ा। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। DCP धवल जायसवाल ने कहा- 28 मई को एक व्यक्ति को चाकू मार दिया गया था। उसे इलाज के लिए ले जाया गया था, जहां कल इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हुई है। इस मामले में नामजद 5 आरोपियों में से 3 की गिरफ्तारी हुई है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। मुख्य आरोपी की उम्र आधार कार्ड के अनुसार 18 वर्ष से कम है।

प्रदेश को चार साल के बाद मिल सकता है स्थायी डीजीपी राजीव कृष्ण के नाम पर मुहर लगना तय

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

प्रदेश को करीब चार साल बाद स्थायी पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मिलने जा रहा है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से भेजे गए पैनल पर शासन स्तर पर मंथन पूरा हो चुका है। प्रस्ताव सीएम की मंजूरी के लिए भेजा गया है। मौजूदा कार्यवाहक डीजीपी राजीव कृष्ण के नाम पर मुहर लगना तय माना जा रहा है। यूपीएससी ने 26 मई को हुई बैठक के बाद 1990 बैच की आईपीएस अधिकारी रेणुका मिश्रा तथा 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी पीयूष आनंद और राजीव कृष्ण के नामों का पैनल प्रदेश सरकार को भेजा है। इनमें राजीव कृष्ण का नाम सबसे मजबूत माना जा रहा है। हालांकि, अंतिम फैसला सीएम के स्तर से लिया जाएगा। राजीव कृष्ण एक जून 2025 से कार्यवाहक डीजीपी हैं। 1991 बैच के आईपीएस राजीव कृष्ण पुलिस महकमे में लंबे प्रशासनिक और मैदानी अनुभव के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने प्रदेश के कई महत्वपूर्ण जिलों और जोनों में जिम्मेदारियां संभाली हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और यूपीएससी की व्यवस्था के अनुसार स्थायी डीजीपी का कार्यकाल कम से कम दो वर्ष का होता है। ऐसे में नियुक्ति होने पर राजीव कृष्ण 2028 तक इस पद पर बने रह सकते हैं। वर्ष 2022 में तत्कालीन डीजीपी मुकुल गोयल को हटाए जाने के बाद से प्रदेश में स्थायी डीजीपी का इंतजार है।

कृष्णानगर में पुलिस से दिल्ली के 2 स्नेचर्स की मुठभेड़ हो गई युवती से छेड़खानी करने वाले के पैर में गोली मारी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के कृष्णानगर और विकासनगर में शनिवार रात पुलिस और बदमाशों के बीच 2 मुठभेड़ हुईं। कृष्णानगर में पुलिस से दिल्ली के 2 स्नेचर्स की मुठभेड़ हो गई। वहीं, विकासनगर में पुलिस ने युवती से छेड़खानी करने वाले के पैर में गोली मारी है। तीनों बदमाश मुठभेड़ के बाद लंगड़ाते हुए चले। दोनों चेन स्नेचर्स के खिलाफ उन्नाव, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद और मुजफ्फरनगर समेत कई जिलों में चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में 20 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, दूसरे हाफ एनकाउंटर में शहर के थाना हुसैनगंज क्षेत्र की केकेवी कॉलोनी, महावीर पुरी के सनी यादव को गोली लगी। उस पर हाल ही में छेड़खानी का मुकदमा दर्ज हुआ है। कृष्णानगर में मानसनगर रोड पर आसाराम बापू आश्रम के पास से रात करीब 1 बजे दोनों चेन स्नेचर बाइक से जा रहे थे। पुलिस को चेकिंग लगाए देख बाइक बैक कर तेजी से भागने लगे। इस दौरान पुलिस पर फायरिंग भी की। कुछ ही कदम जाकर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर पड़ी। दोनों ने पुलिस पर फिर से फायरिंग की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में दोनों के पैरों में गोली लगी। एक बदमाश के दाहिने और दूसरे के बाएं पैर में गोली लगी है। दोनों बदमाशों की उम्र 21 और 23 साल है। यहां रहकर वे महिलाओं से चेन स्नेचिंग करते थे। कृष्णानगर थाना पुलिस और दक्षिणी जोन की सर्विलांस टीम के साथ बदमाशों की यह मुठभेड़ हुई। दोनों बदमाशों के पास से लूटी गई ज्वैलरी, नगदी, अवैध तमंचे और लूट में इस्तेमाल की गई बाइक मिली है। उसी बाइक से दोनों जा रहे थे। पुलिस के अनुसार, 28 मई को कुंदन विहार निवासी रामबाबू चौरसिया का बैग छीना था। यह मामला कृष्णानगर थाने में दर्ज किया गया। कुछ दिन पहले वर्षा रानी नाम की महिला की चेन स्नेचिंग कर ली थी। डीसीपी दक्षिणी ने इन्हीं मामलों के खुलासे के लिए 4 टीमें गठित की थीं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी 23 वर्षीय रोहन उर्फ गुड्डू और 21 वर्षीय साहिल के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने कृष्णानगर क्षेत्र में हुई लूट और चेन स्नैचिंग की घटनाओं में शामिल होने की बात स्वीकार की है। पुलिस उनके अन्य साथियों की तलाश कर रही है।

नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

ससुरालवालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के सआदतगंज क्षेत्र में नवविवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मायके पक्ष ने ससुरालवालों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि शादी के बाद से ही स्कॉर्पियो की मांग की जाने लगी। उसके पति-ससुर, ननदों और बुआ सास ने हत्या कर दी। मृतका की पहचान झव्वारन काला फाटक निवासी सागर राजपूत की पत्नी मानसी (23) के रूप में हुई। दोनों की शादी डेढ़ साल पहले हुई थी। दोनों के 6 महीने का बेटा भी है। मृतका के चाचा कानपुर के टीपीनगर बगाही निवासी सुनील कुमार वर्मा ने पुलिस को लिखित शिकायत दी है। सुनील ने शिकायत में बताया है कि उन्होंने अपनी भतीजी मानसी की शादी 9 दिसंबर 2024 को सागर राजपूत से की थी। शादी में हैसियत के अनुसार करीब सात लाख रुपए नकद, तिलक और अन्य घरेलू सामान दिया गया था। इसके बावजूद पति सागर, ससुर राजेश, ननदोई अनु, ननदें बरखा और चांदनी और बुआ सास आशा अतिरिक्त दहेज की मांग करते थे। स्कॉर्पियो न मिलने पर मानसी को प्रताड़ित करने लगे थे। मायकेवालों का आरोप है कि विवाहिता ने कई बार फोन कर ससुराल में हो रही प्रताड़ना की जानकारी दी थी। इसके बाद परिवार के लोग कई बार लखनऊ आकर दोनों पक्षों में समझौता कराने का प्रयास भी करते रहे। उसे यह कहकर समझाते रहे कि नई शादी है, समय के साथ हालात सुधर जाएंगे। सुनील कुमार वर्मा ने बताया- शनिवार को रिश्तेदारों के माध्यम से सूचना मिली कि उनकी भतीजी ने फांसी लगा ली है। लेकिन, ऐसा नहीं था, दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालवालों ने उसकी हत्या की है। आत्महत्या दर्शाने के लिए लाश को टांग दिया। मामले में पति समेत 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

(एकेटीयू) अपनी परीक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए (एआई) का प्रयोग करेगा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) अपनी परीक्षा व्यवस्था को और दुरुस्त करने के लिए आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का प्रयोग करेगा। इसके तहत अब परीक्षा केंद्र पर टैबलेट से छात्र-छात्राओं की हाजिरी लगेगी। इससे गड़बड़ियों पर रोक तो लगेगी ही वहीं अगर कोई भी विद्यार्थी प्रवेश पत्र नहीं लेकर आया है तो भी वह परीक्षा से रोका नहीं जाएगा। पिछले दिनों नोएडा के एक केंद्र पर क्रिडेंशियल के दुरुपयोग का मामला सामने आने के बाद एकेटीयू ने परीक्षा में एआई के प्रयोग का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय ने अपने यहां सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज (कैस) में एमटेक द्वितीय सेमेस्टर में इसका प्रयोग शुरू किया है। कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने बताया कि इसके तहत परीक्षा कक्ष में प्रत्येक विद्यार्थी की हाजिरी टैबलेट के माध्यम से कराई जा रही है। इस प्रक्रिया के तहत टैबलेट में विद्यार्थी के प्रवेश पत्र का पूरा डाटा पहले से अपलोड होता है, ऐसे में जैसे ही हाजिरी लगाई जाती है, डाटा मैच हो जाता है।

यूपी में माफिया अतीक अहमद गैंग पर बड़ा एक्शन

उत्तर प्रदेश में अपराधियों और माफियाओं द्वारा अवैध तरीके से बनाई गई काली संपत्ति पर प्रशासन का कड़ा एक्शन लगातार जारी है। इसी कड़ी में बिजनौर प्रशासन ने माफिया अतीक अहमद और उसके गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी 168 करोड़ 13 लाख रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश जारी किया है। यह कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट के तहत की गई है। प्रशासन का कहना है कि संबंधित संपत्तियां अवैध गतिविधियों से अर्जित धन से खरीदी गई थीं। पुलिस के मुताबिक, अतीक अहमद और उसके गिरोह के खिलाफ काफी समय से गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था। जांच में सामने आया कि गिरोह ने गोतस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों के जरिए बड़ी मात्रा में धन अर्जित किया था। इसी धन का इस्तेमाल कर बिजनौर जिले में कई संपत्तियां खरीदी गईं। जांच में यह भी सामने आया कि इस काली कमाई को सफेद करने और निवेश करने के लिए गैंग ने बिजनौर के याकूबपुर इलाके में 'ओमर इंटरनेशनल स्लॉटर हाउस' और उसके आसपास की कई एकड़ कीमती जमीनें खरीदी थीं। सरकारी राजस्व विभाग के मूल्यांकन के अनुसार, कुर्क की जाने वाली इस पूरी जमीन, इमारतों और स्लॉटर हाउस की कुल बाजार कीमत लगभग 168.13 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस प्रशासन द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट और पुख्ता सबूतों को देखने के बाद, जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय ने गैंगस्टर एक्ट की धाराओं के तहत इस पूरी संपत्ति को तुरंत कुर्क करने का अंतिम कानूनी आदेश जारी कर दिया। इस पूरी कार्रवाई की जड़ें साल 2024 के एक बड़े मामले से जुड़ी हैं। उस वक्त जालौन के एट थाने के तत्कालीन प्रभारी संजय गुप्ता ने वाहन चेकिंग के दौरान कोलकाता जा रहे एक संदिग्ध कंटेनर को पकड़ा था। जब इस कंटेनर की तलाशी ली गई, तो इसमें भारी मात्रा में प्रतिबंधित मांस बरामद हुआ। इसे जांच के लिए आगरा की फॉरेंसिक लैब भेजा गया, जहां रिपोर्ट में इसके गोमांस होने की पुष्टि हुई। इसी मामले की तफ्तीश में अतीक अहमद और उसके गिरोह का नाम सामने आया था।

उन्नाव में अवैध खनन पर प्रशासन का बड़ा शिकंजा

दर्जनों वाहन सीज, माफिया नेटवर्क की जांच तेज

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खनन माफियाओं पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान खनन विभाग, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने कई स्थानों पर छापेमारी कर अवैध खनन और परिवहन में लिप्त वाहनों को जब्त किया। इस कार्रवाई के बाद खनन कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है और कई संचालक अपने वाहनों को लेकर भूमिगत हो गए हैं।प्रशासन को पिछले कई दिनों से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध रूप से मिट्टी, बालू और अन्य खनिजों के खनन की शिकायतें मिल रही थीं। आरोप था कि कुछ लोग बिना अनुमति रात के अंधेरे में खनन कर सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने संयुक्त टीम गठित कर अभियान चलाने का फैसला लिया। इसके तहत

कई थाना क्षेत्रों में एक साथ कार्रवाई की गई।छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने खनन स्थलों और प्रमुख मार्गों पर वाहनों की जांच की। इस दौरान कई ट्रैक्टर-ट्रॉलियां, डंपर और अन्य वाहन पकड़े गए, जिनके पास वैध दस्तावेज नहीं थे। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ वाहन निर्धारित सीमा से अधिक खनिजों का परिवहन कर रहे थे। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर दर्जनों वाहनों को सीज कर दिया गया और संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई।अधिकारियों का कहना है कि अवैध खनन केवल सरकारी राजस्व को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि पर्यावरण और स्थानीय भूगर्भीय संतुलन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। नदियों और खेतों के आसपास अनियंत्रित खनन से जलस्तर प्रभावित होता है और भूमि कटाव जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। इसी कारण सरकार ने ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।प्रशासन अब इस पूरे नेटवर्क की गहन जांच कर रहा है। यह पता लगाया जा रहा है कि अवैध खनन के पीछे कौन लोग सक्रिय हैं और इसमें किन-किन व्यक्तियों या समूहों की भूमिका है। अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि जांच के आधार पर आने वाले दिनों में और बड़ी कार्रवाई हो सकती है। जरूरत पड़ने पर गैंगस्टर एक्ट और अन्य कड़ी धाराओं के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों ने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि उन्हें कहीं अवैध खनन की जानकारी मिले तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें। प्रशासन का कहना है कि जिले में कानून व्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए ऐसे अभियानों को आगे भी लगातार जारी रखा जाएगा।

स्थानीय लोगों में आक्रोश, बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र के लोकनगर मोहल्ले में शुक्रवार रात हुई बारिश के बाद आज सुबह 9 बजे एक बिजली के खंभे में करंट उतर आया। इसकी चपेट में आने से एक गाय की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। यह घटना पूर्व सभासद रामनरेश के घर के पास हुई। गाय की मौत के बाद क्षेत्रीय लोगों ने बिजली विभाग और स्थानीय प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश व्यक्त किया। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि बारिश के बाद बिजली के खंभों और तारों की नियमित जांच नहीं की जाती है, जिसके कारण खंभों में करंट उतर आता है। लोगों ने चिंता व्यक्त की कि यदि इस स्थान से कोई व्यक्ति गुजर रहा होता, तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। मोहल्लेवासियों ने इस दौरान आवारा गोवंश की समस्या को भी उठाया। उनका कहना था कि गोशालाओं की व्यवस्था होने के बावजूद बड़ी संख्या में गायें सड़कों पर घूमती रहती हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। लोगों ने सवाल किया कि यदि गोवंश के लिए पर्याप्त व्यवस्था है, तो पशु सड़कों पर क्यों भटक रहे हैं। नागरिकों ने बिजली विभाग से सभी खंभों और विद्युत लाइनों की तत्काल जांच कराने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने, मामले की जांच करने और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा विद्युत सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की अपील की है।

23 जून तक कई ट्रेनों का संचालन रहेगा प्रभावित

लखनऊ रेलवे स्टेशन पर कांकार्स निर्माण कार्य किया जाएगा। इसलिए 15 मई से 23 जून तक ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। वहीं प्लेटफॉर्म संख्या चार पूरी तरह बंद रहेगा और तीन पर भी छह घंटे का रोजाना ब्लॉक चल रहा है। वहीं अब एक जून से प्लेटफॉर्म नंबर दो और पांच पर भी सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक अतिरिक्त ब्लॉक लिया जाएगा। इसलिए छह ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। वहीं 19 ट्रेनों का रूट बदल दिया गया है। वहीं आठ ट्रेनों के प्लेटफॉर्म में भी बदलाव कर दिया गया है। 12 मई से 25 जून तक काम के दौरान झांसी-लखनऊ मेमू (64701) कानपुर सेंट्रल तक ही संचालित की जाएगी। वहीं लखनऊ-झांसी मेमू (64702) कानपुर सेंट्रल से संचालित होगी। इसी तरह शाहजहांपुर-लखनऊ पैसेंजर (54338) और बालामऊ-लखनऊ पैसेंजर (54332) आलमनगर स्टेशन पर ही समाप्त होंगी। वहीं लखनऊ-शाहजहांपुर पैसेंजर (54337) और लखनऊ-बालामऊ पैसेंजर (54331) आलमनगर से चलाई जाएंगी। इसके अलावा लंबी दूरी की मुजफ्फरपुर-सूरत एक्सप्रेस, गुवाहाटी-ओखा एक्सप्रेस, कामाख्या-गांधीधाम एक्सप्रेस, लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस, पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस, भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस और पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें अपने निर्धारित मार्ग के बजाय बाराबंकी-मल्हौर-ऐशबाग-कानपुर सेंट्रल मार्ग से संचालित होंगी। वरिष्ठ मंडल प्रबंधक समर्थ गुप्ता ने बताया कि इन ट्रेनों का लखनऊ रेलवे स्टेशन पर ठहराव निरस्त रहेगा। यात्रियों की सुविधा के लिए ऐशबाग और बादशाहनगर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा। वहीं बरेली-प्रयागराज संगम एक्सप्रेस (14308) को आलमनगर-ट्रांसपोर्ट नगर-उतरेटिया मार्ग से चलाया जाएगा और इसका भी लखनऊ स्टेशन पर ठहराव नहीं होगा।

चार केंद्रों पर होगी बीएड प्रवेश परीक्षा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

रविवार को होने वाली बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए जिले में चार केंद्र बनाए गए हैं। इसमें डीएसएन डिग्री कॉलेज ब्लॉक-ए में 400, डीएसएन कॉलेज ब्लॉक-बी में 500, अटल बिहारी इंटर कॉलेज में 400 और जीआईसी में 226 परीक्षार्थी शामिल होंगे। दो पालियों में परीक्षा होगी। पहली पाली में सुबह 9 से 12 और दूसरी पाली में दोपहर दो से शाम पांच बजे तक परीक्षा होगी। अभ्यर्थियों को आधे घंटे पहले केंद्र पर पहुंचना होगा। एनसीसी कार्यालय में कंट्रोलरूम बनाया गया है। जिसका नंबर 9621707778 है। बताया कि परीक्षा में पहली बार विश्वविद्यालय द्वारा एआई बेस्ड कैमरों का प्रयोग किया जा रहा है। सभी केंद्रों पर उच्च तकनीकी युक्त कैमरे लगाए जा चुके हैं जिसे जिले स्तर के कंट्रोल रुम से तथा सीधे विश्वविद्यालय के कंट्रोल रुम से भी जोड़ा गया है।परीक्षा प्रभारी बनाए गए सिटी मजिस्ट्रेट मनोज सिंह ने बताया कि परीक्षा की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। नकलविहीन संपन्न कराई जाएगी। देरशाम परीक्षा प्रपत्र आ गए थे, जिनको कोषागार में रखवाया गया है। रविवार सुबह आठ बजे केंद्रों पर पहुंचा दिया जाएगा। बताया कि परीक्षा कक्ष में कैलकुलेटर, मोबाइल, पेजर, डिजिटल घड़ी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूरी तरह वर्जित रहेंगे। यह नियम कक्ष निरीक्षकों और सहयोगी स्टाफ पर भी लागू होगा। बीएड प्रवेश परीक्षा के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रविवार को चार केंद्रों पर प्रवेश परीक्षा होनी है। दो पालियों में होने वाली परीक्षा में 1526 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। परीक्षार्थी किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रानिक उपकरण नहीं ले जा सकेंगे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार पिता की मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार पिता की मौत हो गई, जबकि उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा।जानकारी के अनुसार, पिता अपने बेटे के साथ बाइक से किसी जरूरी काम से जा रहे थे। इसी दौरान गंगाघाट क्षेत्र में एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर गिर पड़े। हादसे में पिता को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने घायल युवक को संभाला और पुलिस तथा एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि दुर्घटना को अंजाम देने वाले वाहन और चालक की पहचान की जा सके।

14 वर्षीय किशोरी की गला दबाकर हत्या

पिता की मौत के बाद 14 साल से ननिहाल में रह रही 14 वर्षीय किशोरी की गला दबाकर हत्या कर दी गई। शनिवार रात आठ बजे से वह लापता थी। खोजबीन कर रही मां ने 19 घंटे बाद रविवार दोपहर लगभग तीन बजे उसका शव गांव से 500 मीटर दूर खेत की पंगडंडी के पास औंधे मुंह पड़ा देखा। कपड़े अस्त-व्यस्त होने से दुष्कर्म के बाद हत्या की चर्चा है। फोरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य संकलन के बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मां ने गांव के दो लोगों पर शक जता मुकदमा दर्ज कराया है। दोनों के उठाकर पुलिस पूछताछ कर रही है। माखी के एक गांव निवासी युवक की 14 वर्ष पहले बीमारी से मौत हो गई थी। पति की मौत के बाद पत्नी अपनी दो बेटियों को लेकर मायके अजगैन क्षेत्र आ गई थी। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है। छोटी 14 वर्षीय बेटी मां के साथ रहती थी। शनिवार रात आठ बजे खाना खाने के बाद नाबालिग बेटी अपनी मां से कुछ देर में घर आने की बात कह निकल गई। रात 12 बजे तक उसके न लौटने पर मां ने खोजबीन शुरू की। ग्रामीणों ने पूरी रात उसकी तलाश की पर कहीं पता नहीं चल सका। रविवार सुबह फिर से खोजबीन शुरू हुई। दोपहर तीन बजे गांव से 500 मीटर दूर एक खेत की पगडंडी में मां ने बेटी का शव औंधे मुंह पड़ा देखा। किशोरी के कपड़े भी अस्तव्यस्त थे। गले में निशान देख दुष्कर्म के बाद गला दबाकर हत्या की चर्चा तेज हो गई। मां की सूचना पर अजगैन कोतवाल सुरेश सिंह मौके पर पहुंचे और फा◌ेरेंसिक टीम को बुलाया। टीम द्वारा साक्ष्य संकलन के बाद पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौके पर पहुंचे सीओ हसनगंज तेज बहादुर सिंह ने जांच के बाद गला दबाकर हत्या की संभावना जताई है। शक के आधार पर गांव के दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना से गांव में दहशत का माहौल है। सीओ ने बताया कि दिवंगत किशोरी की मां की तहरीर पर गांव के विशाल व उसके अज्ञात साथी पर मुकदमा दर्ज कराया है। जांच की जा रही है। शीघ्र घटना का राजफाश किया जाएगा। मायके में पिता-माता व दो भाईयों की मौत के बाद महिला अपनी नाबालिग बेटी को लेकर अकेले रहती थी। बेटी का शव खेत की पगडंडी पर पड़ा देख मां बेहाल हो गई। 19 घंटे से उसकी तलाश कर रही मां बेटी की हालत देख कांप उठी और वहीं शोर मचाने लगी। ग्रामीण व आसपास खेत में मौजूद किसान पहुंचे और उसकी बेटी का शव देख सन्न रह गए। पुलिस इस बात का पता लगा रही है कि किशोरी की हत्या क्यों की गई।

कमजोर के सामने कोई नहीं झुकता: नौसेना शौर्य वाटिका उद्घाटन पर योगी का संदेश

उन्होंने कहा कि जब हम सुरक्षा के मोर्चे पर मजबूत होंगे, तभी विश्व हमारा मित्र बनेगा। कमजोर के सामने कोई नहीं झुकता। उन्होंने आगे कहा कि यह सिद्धांत देश के शत्रुओं से निपटने के दौरान देश के सशस्त्र बलों की कार्रवाई में परिलक्षित होता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अहिंसा मानव जीवन का मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए, लेकिन राष्ट्र और समाज के लिए खतरा पैदा करने वाले व्यक्तियों से निपटने के लिए बल का प्रयोग आवश्यक हो जाता है। लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका के उद्घाटन के अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि विकास केवल सुरक्षित वातावरण में ही फल-फूल सकता है और उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और सशस्त्र बलों के प्रति सम्मान के महत्व पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अहिंसा ही मानवता का सच्चा धर्म होना चाहिए। हालांकि, यदि कोई देश और समाज के लिए खतरा बन जाता है, तो अहिंसा काम नहीं कर सकती। ऐसी स्थिति में हिंसा आवश्यक हो जाती है। एक प्रसिद्ध संस्कृत वाक्य का हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने कहा, "अहिंसा परमो धर्मः, धर्म हिंसा तथावै च", जिसका अर्थ है कि अहिंसा सर्वोच्च गुण है, लेकिन सत्य और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में बल का प्रयोग भी उतना ही उचित है। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की शक्ति ही विश्व में उसकी प्रतिष्ठा निर्धारित करती है। उन्होंने कहा कि जब हम सुरक्षा के मोर्चे पर मजबूत होंगे, तभी विश्व हमारा मित्र बनेगा। कमजोर के सामने कोई नहीं झुकता। उन्होंने आगे कहा कि यह सिद्धांत देश के शत्रुओं से निपटने के दौरान देश के सशस्त्र बलों की कार्रवाई में परिलक्षित होता है। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा को विकास से जोड़ते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले एक दशक में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखे हैं। उन्होंने कहा कि विकास योजनाएं केवल सुरक्षित वातावरण में ही प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सकती हैं। 2017 से पहले, इसी उत्तर प्रदेश में अक्सर कर्फ्यू लगता था। पेशेवर माफियाओं और अपराधियों ने आम नागरिकों का जीवन मुश्किल बना दिया था। आदित्य ने कहा कि जिस प्रकार सशस्त्र बल हर परिस्थिति में देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं, उसी प्रकार नागरिकों का भी यह कर्तव्य है कि वे राष्ट्र की रक्षा करने वाले सैनिकों का सम्मान करें। मुख्यमंत्री लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना शौर्य वाटिका का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक भी उपस्थित थे।

हरों की ओर जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की संख्या अचानक बढ़ गई

गर्मी की छुट्टियों का मौसम शुरू होते ही अंबेडकरनगर में रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। परिवार के साथ पर्यटन स्थलों, रिश्तेदारों और पैतृक घरों की ओर जाने वाले लोगों के कारण लंबी दूरी की ट्रेनों में सीटों के लिए जबरदस्त मारामारी देखने को मिल रही है। स्थिति यह है कि अधिकांश नियमित ट्रेनों में एक से दो माह पहले ही आरक्षण पूर्ण हो चुका है। अब यात्रियों को लंबी वेटिंग का सामना करना पड़ रहा है।दिल्ली, जम्मू, कोलकाता, देहरादून, मुंबई और अन्य प्रमुख शहरों की ओर जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों की संख्या अचानक बढ़ गई है। अवकाश के दौरान बच्चों को लेकर यात्रा करने वाले परिवारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती कन्फर्म टिकट प्राप्त करना बन गई है। रेलवे की नियमित सेवाओं पर बढ़े दबाव के बीच यात्रियों को राहत देने के लिए अभी तक क्षेत्र से कोई समर स्पेशल ट्रेन संचालित नहीं की गई है। इससे समस्या और गंभीर होती जा रही है। रेलवे आरक्षण केंद्रों और ऑनलाइन बुकिंग प्लेटफॉर्म पर भी टिकटों की भारी मांग बनी हुई है। कई ट्रेनों में स्लीपर, थर्ड एसी और सेकंड एसी श्रेणी की सीटें पहले ही भर चुकी हैं। ऐसे में यात्रियों को वेटिंग टिकट लेकर यात्रा की उम्मीद लगानी पड़ रही है। जिन लोगों को आरक्षण नहीं मिल पाया, वे जनरल डिब्बों का सहारा लेने को मजबूर हैं, जहां पहले से ही भारी भीड़ उमड़ रही है। टांडा निवासी अंजना ने बताया कि उन्होंने करीब 15 दिन पहले दून एक्सप्रेस में टिकट बुक कराया था, लेकिन अब तक टिकट कन्फर्म नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ लंबी यात्रा में अनिश्चितता और परेशानी दोनों बनी हुई हैं।

सुल्तानपुर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना बेटे ने अपने ही पिता की हत्या कर दी

यूपी के सुल्तानपुर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक घटना में बेटे ने अपने ही पिता की हत्या कर दी। इस वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपी युवक ने अपने बेटे की मदद ली। जमीन विवाद में की गई इस वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। चार दिन पहले एक बुजुर्ग का शव गांव के बाहर एक सूखे नाले के पास मिला था। मामला दोस्तपुर थाना क्षेत्र के गोपालपुर खुर्द गांव का है। मृतक की पहचान 70 वर्षीय रामदयाल यादव के रूप में हुई है। वह ई-रिक्शा चलाकर अपना जीवन यापन करते थे और पिछले कई दिनों से लापता थे। परिजन उनकी तलाश कर रहे थे, लेकिन पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी गई थी। बुधवार को गांव के एक डिग्री कॉलेज से करीब 200 मीटर दूर सूखे नाले के किनारे उनका शव बरामद हुआ था। शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और कुछ ही दिनों में पूरे हत्याकांड का खुलासा कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि मृतक के बेटे गुड्डू यादव उर्फ राम गिरी और उसके 18 वर्षीय बेटे आकाश यादव ने मिलकर की थी। दोनों ने गला दबाकर रामदयाल यादव की हत्या कर दी और शव को नाले के पास फेंक दिया था। क्षेत्राधिकारी विनय गौतम के अनुसार, मृतक के नाम करीब 10 बिस्वा जमीन थी। आरोपी बेटे को आशंका थी कि उसके पिता जमीन बेचकर छोटे बेटे को आर्थिक मदद कर सकते हैं। इसी शक और लालच ने उसे इतना अंधा बना दिया कि उसने अपने बेटे के साथ मिलकर हत्या की साजिश रच डाली। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गांव से ही गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों का पहले कोई आपराधिक इतिहास नहीं मिला है। कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि जमीन और संपत्ति के लालच में आखिर रिश्तों की अहमियत कहां खोती जा रही है। एक पिता, जिसने अपने परिवार को खड़ा करने में पूरी जिंदगी लगा दी, उसी की जान उसके अपने बेटे और पोते ने ले ली।

अहिल्याबाई होल्कर की जयंती समारोह के दौरान भारी हंगामा खड़ा हो गया

अलीगढ़ महानगर के सासनी गेट चौराहे पर 31 मई को लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती समारोह के दौरान उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया, जब ट्रैक्टर से स्टंट करने को लेकर हुए विवाद में कुछ लोगों ने एक दरोगा के साथ मारपीट कर दी। इस झड़प में दरोगा के हाथ में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया, जिसके बाद भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा। पुलिस के अनुसार, सासनी गेट चौराहे पर अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था। इसी दौरान कार्यक्रम में शामिल कुछ युवक ट्रैक्टर से स्टंट करने लगे। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने जब सुरक्षा का हवाला देते हुए स्टंटबाज़ी को रोकने का प्रयास किया, तो वहां मौजूद कुछ कार्यकर्ता और युवक पुलिस से उलझ गए। बहस देखते ही देखते इतनी बढ़ गई कि कुछ लोगों ने ड्यूटी पर तैनात दरोगा के साथ मारपीट कर दी। दरोगा पर हमले की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से तीन-चार कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने की खबर फैलते ही आयोजन से जुड़े लोग और उनके समर्थक भड़क गए और उन्होंने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया। दूसरी ओर, कार्यक्रम के संयोजक जवाहरलाल बघेल ने पुलिस प्रशासन पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बनाए रखने में घोर लापरवाही बरती है। पुलिस की इसी सुस्ती और अव्यवस्था के कारण मौके पर हालात बिगड़े और यह पूरा घटनाक्रम हुआ।